प्रेस-विज्ञप्ति 28.06.2024

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश (M.C.U.P.) एवं यूथ वर्क असोसिएशन (Y.W.A.) द्वारा संयुक्त रूप से प्रेस-वार्ता

आज दिनाँक 28.06.2024 को अपरान्ह 12:00 बजे, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश (M.C.U.P.) एवं यूथ वर्कस असोसिएशन (Y.W.A.) द्वारा संयुक्त रूप से एक प्रेस-वार्ता का आयोजन किया गया।

संछिप्त में प्रेस वार्ता का विवरण : मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, यूथ वर्क असोसिएशन के साथ परस्पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर एक-दूसरे को एमओयू की सहमति प्रदान की गयी। इस एमओयू में मर्चेंट्स चैम्बर व Y.W.A. दोनों संस्थाएं अग्रलिखित बिंदुओं जैसे सदस्यता और प्रतिनिधित्व, युवा समिति का गठन, कार्यक्रम में भागीदारी व सहयोग, संयुक्त कार्यक्रम, समिति की बैठक, व्यापार संवर्धन आदि पर विशेष रूप से परस्पर कार्यरत रहेंगी तथा भावी संभावनाओं को तराशने तथा व्यापारिक उन्नति आदि पर विचार-विमर्श करेंगे।

प्रेस-वार्ता को मर्चेंट्स चैम्बर के सचिव महेन्द्र मोदी, (Y.W.A.) की ओर से कार्तिक कपूर, कार्तिकेय गर्ग, सम्यक जैन, सौम्या जैन एवं विशेष शाह ने संयुक्त रूप से सम्बोधित किया जिसमें बताया गया कि इस एमओयू का उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

यह एमओयू अपने आप में अपने शहर में प्रथमतः ऐसा एमओयू होगा जिसमें नेक्स्ट जनरेशन जिसे हम भावी पीढ़ी भी कहते है, को स्वयं को भविष्य हेतु तराशने के साथ-
साथ वरिष्ठ जनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जो ने सिर्फ युवाओं की प्रतिभा को निखारेगा बल्कि उनके लिए एक उत्प्रेरक का कार्य करेगा। इसके लिए हम दोनों संस्थाओं ने आपसी सहयोग से के ऐसे प्रोग्रामस पर विचार-विमर्श किया है जिससे यूथ की सहभागिता को सक्रियता से दर्ज़ कराएगा जैसे:

- **युवा समिति का गठन** व्यवसाय समुदाय में युवा पेशेवरों की अधिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से MCUP के भीतर एक युवा उद्यमी समिति की स्थापना की जाएगी।
- **आयोजन में भागीदारी और सहयोग** जो भी कार्यक्रमों को आयोजित किया जाएगा जिसके बारे में स्वच्छंदता से जानकारी विशेषतः यूथ को ध्यान में रखकर जानकारी साझा की जायेगी जो यूथ की भागीदारी को प्रत्येक प्रोग्रम्स में प्रोत्साहित करने के लिए एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगी।
- संयुक्त एवं साझा कार्यक्रम आयोजित करते रहना,
- समय-समय पर यूथ वर्क हेतु क्या-क्या अन्य नए लाभान्वित कार्य किये जा सकते है, पर विचार-मंथन व रचनात्मक बैठकें आयोजित करते रहना आदि।
- इस एमओयू को हम सिर्फ एक एमओयू की तरह ही न देखें बल्कि इस साझेदारी से जब वरिष्ठजनों और यूथ दोनों को ही एक साथ एक मंच पर कार्य से करने का अवसर प्राप्त होगा तो इससे कहीं न कहीं शहर के यूथ को शहर में ही कार्य करने की एक रूचि उत्पन्न होगी जो यूथ के प्रतिभा पलायन को कम करने में भी मदद मिलेगी।